सार्वजनिक पुस्तकालय का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

देवघर (आससे) । उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री सौरभ कुमार भुवानिया ने सारठ प्रखंड परिसर में निर्माणाधीन सारठ सार्वजनिक पुस्तकालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त ने निर्माण कार्य की प्रगति और बच्चों की सुविधाओं को लेकर किए जा रहे विभिन्न कार्यों की वस्तुस्थिति का विस्तृत जायजा लिया। साथ ही पुस्तकालय परिसर का भ्रमण करते हुए उपायुक्त ने भवन संरचना, फिनिशिंग और बच्चों के लिए तैयार किए जा रहे रीडिंग रूम व अन्य बुनियादी ढांचों को देखा। उन्होंने कार्य की प्रगति को देखते हुए कार्यपालक अभियंता और संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। इसके अलावा निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने सख्त लहजे में कहा कि पुस्तकालय निर्माण में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य में केवल मानक सामग्रियों का ही उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा बच्चों के बैठने, प्रकाश और हवा की उत्तम व्यवस्था की जाए ताकि उन्हें पढ़ाई का बेहतर और अनुकूल माहौल मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने कार्यपालक अभियंता को नियमित रूप से स्थल का दौरा कर स्वयं निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया, ताकि तय समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण किया जा सके। पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य स्थानीय और ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों व छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उत्कृष्ट संसाधन उपलब्ध कराना है, इसलिए इसकी उपयोगिता और गुणवत्ता सर्वोपरि है। निरीक्षण के पश्चात मीडिया



प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए उपायुक्त द्वारा जानकारी दी गई कि सारठ सार्वजनिक पुस्तकालय, जिला प्रशासन, देवघर की पहल एवं JIASOWA के सहयोग से विकसित की जा रही एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक सुविधा है। इसका उद्देश्य सारठ प्रखंड के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन संसाधन एवं आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना तथा इसे एक समग्र लर्निंग हब के रूप में विकसित करना है। पुस्तकालय में शैक्षणिक विषयों के साथ-साथ IIT-JEE, NEET, SSC, रेलवे, UPSC, JPSC जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पर्याप्त पुस्तकें एवं अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। रीडिंग हॉल में व्यक्तिगत अध्ययन डेस्क, आरामदायक कुर्सियाँ, चार्जिंग पॉइंट एवं प्रत्येक डेस्क पर अलग रीडिंग लाइट की सुविधा होगी। विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने के लिए कंप्यूटर कक्ष में डेस्कटॉप कंप्यूटर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। स्मार्ट क्लासरूम में बड़ी स्क्रीन के माध्यम से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित कोचिंग एवं शैक्षणिक कक्षाओं के संचालन की व्यवस्था प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) लैब विद्यार्थियों को नई तकनीकों से परिचित कराने तथा डिजिटल कौशल विकसित करने में सहायक होगी। पुस्तकालय में एक विचार-विमर्श कक्ष भी विकसित किया जाएगा, जहाँ विद्यार्थी सामूहिक चर्चा, विचारों के आदान-प्रदान एवं नवाचार को प्रोत्साहित कर सकेंगे। पार्किंग, शौचालय एवं पेयजल जैसी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण मिल सके। इस पहल का लक्ष्य सारठ के विद्यार्थियों को उनके अपने क्षेत्र में ही बेहतर अध्ययन संसाधन, डिजिटल शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के अवसर उपलब्ध कराना है। यह पुस्तकालय शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने, आत्मविश्वास विकसित करने और विद्यार्थियों को अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ाने वाला एक सशक्त केंद्र बनेगा। इसके अलावा निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वहां मौजूद स्कूली छात्र-छात्राओं से विशेष रूप से मुलाकात की और उनसे पुस्तकालय के सदुपयोग को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि पुस्तकालय ज्ञान का भंडार होते हैं और इसके बन जाने से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का बेहतरीन अवसर मिलेगा। उपायुक्त ने बच्चों से नियमित रूप से पुस्तकालय आने और प्रतियोगी परीक्षाओं व अपनी पढ़ाई के लिए यहाँ उपलब्ध होने वाली पुस्तकों का पूरा लाभ उठाने की बात कही। इस दौरान निरीक्षण में उपरोक्त के अलावा उप विकास आयुक्त श्री पीयूष सिन्हा, जिला शिक्षा अधीक्षक, अंचल अधिकारी सारवां, कार्यपालक अभियंता जिला परिषद, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी, डीएमएफटी की टीम एवं संबंधित अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से करें कार्य : उपायुक्त

देवघर (आससे) । उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री सौरव कुमार भुवानियां द्वारा दिनांक 27.10.2026 को चरकी पहाड़ी स्थित बाल सुधार गृह-सह-संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा किया। इस दौरान उपायुक्त ने बच्चियों से बातचीत कर उन्हें मिल रही विभिन्न सुविधाओं से अवगत हुए। इस दौरान मौके पर उपस्थित अधिकारियों को उपायुक्त ने निर्देशित किया कि बच्चियों की जरूरतों को मुहैया कराते हुए इनका विशेष ख्याल रखें और बच्चों के प्रति संवेदनशील रहें, ताकि बच्चियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके अलावा निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संस्थान में बच्चियों की सुविधा हेतु उपलब्ध विभिन्न मशीनी उपकरणों का सही और नियमित उपयोग



सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। आगे उपायुक्त ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को बच्चों के प्रति संवेदनशील रहने, उनके खान-पान, स्वास्थ्य जाँच और रहन-सहन के स्तर को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने बाल सुधार गृह-सह-संप्रेक्षण गृह में बच्चियों के पढ़ाई लिखाई हेतु स्कूल, वोकेशनल प्रक्षिक्षण रूम एवं रिक्रिएशन रूम आदि का निरीक्षण करते हुए एडीएसएस को निदेशित करते हुए कहा कि बच्चियो के पढ़ाई लिखाई के साथ-साथ उन्हें वोकेशनल ट्रेनिंग बेहतर तरीके से दिया जाय साथ ही उनके खेल-कूद और मनोरंजन का भी ख्याल रखा जाय। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त श्री सौरव कुमार भुवानियां ने कहा गया कि बाल सुधार गृह के बच्चियों के स्वास्थ्य का पूरा-पूरा ध्यान रखा जाय और नियमित अंतराल पर इनके स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था सुनिश्चित करें। इस दौरान मौके पर उपरोक्त के उप विकास आयुक्त श्री पीयूष सिन्हा, एडीएसएस श्रीमती सरिता भारती, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं संबंधित अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थीं।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये प्रमुख मुख्य विद्युत अभियंता/पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से 'खुली' निविदा आमंत्रित करते है:–

कार्य का नाम:– उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के महारानी पश्चिम-दीन दयाल उपध्याय खंड में, इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन पावर सप्लाई इंस्टॉलेशन की क्षमता बढ़ाने के काम के लिए, EPC मोड पर 2x25 KV AT ट्रैक्शन फीडिंग सिस्टम हेतु ट्रैक्शन सब-स्टेशनों और उनसे जुड़े स्विचिंग पोस्ट की डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य। ई-निविदा सूचना संख्याः EPC-PSI-MWP-DDU-NER, अनुमानित लागतः ₹ 2,00,33,74,545/-, बिड सिक्योरिटी (अमानत राशि): ₹ 4,00,67,500/-, निविदा बन्द होने की तिथि: 10-12-2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 24 महीने।

• पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाइट ***www.ireps.gov.in*** पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मुख्य विद्युत अभियंता/प्रोजेक्ट,
मुजाधि/विद्युत-244 लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें

पूर्व मध्य रेल

ऑन लाईन ई–निविदा (खुली) निविदा आमंत्रित सूचना संख्याः ईएल/50/दानापुर/खुली/24/2026–27

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व मध्य रेल दानापुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से दानापुर मंडल में उन संवेदकों से जिनके पास वैध विद्युत लाईसेंस जो राज्य/केन्द्र सरकार के लाईसेंसिंग बोर्ड द्वारा जारी किया गया हो और वे निविदा पत्र में वर्णित अन्य शर्तों को पूरा करते हों उनसे निम्नलिखित कार्य हेतु **ऑन लाईन ई–निविदा** (खुली) निविदा आमंत्रित करते हैं। **निविदा संख्या : ईएल/50/दानापुर /खुली/24/2026–27 (1) कार्य का नाम:** दानापुर, पटना और झाझा में रेलवे कॉलोनी क्षेत्र की सड़कों पर सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाकर वहां रोशनी की व्यवस्था करना। **(2) अनुमानित लागत:** रू० 7,21,47,504.00 **(3) अग्रधन राशि :** रू० 14,43,000/– **(4) निविदा जमा करने की तिथि एवं समय : 18.11.2026** को **12.00** बजे तक निर्धारित है। **(5) उपरोक्त सभी निविदा की वेबसाइट, नोटिस बोर्ड और कार्यालय :** क्रिस वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** वरीय मंडल बिजली इंजीनियर/सा० का कार्यालय, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय भवन, पूर्व मध्य रेल, दानापुर।

नोट : (1) विवाद की स्थिति में अंग्रेजी नोटिस मान्य होगा। (2) यदि जरूरी हो तो शुद्धि–पत्र उपरोक्त वेबसाईट पर 15 दिन पहले तक अपलोड होगा।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/सा०)/दानापुर
पीआर/1204/डीएनआर/ईएलईसीटी/टी/26–27/44

पूर्व मध्य रेल

ऑन लाईन ई–निविदा (खुली) निविदा आमंत्रित सूचना संख्याः ईएल/50/दानापुर/खुली/25/2026–27

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व मध्य रेल दानापुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से दानापुर मंडल में उन संवेदकों से जिनके पास वैध विद्युत लाईसेंस जो राज्य/केन्द्र सरकार के लाईसेंसिंग बोर्ड द्वारा जारी किया गया हो और वे निविदा पत्र में वर्णित अन्य शर्तों को पूरा करते हों उनसे निम्नलिखित कार्य हेतु **ऑन लाईन ई–निविदा** (खुली) निविदा आमंत्रित करते हैं। **निविदा संख्या : ईएल/50/दानापुर /खुली/25/2026–27 (1) कार्य का नाम :** दानापुर मंडल के अंतर्गत बिना बिजली वाले हॉल्ट स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म क्षेत्र को रोशन करने के लिए सोलर लाइट की व्यवस्था। **(2) अनुमानित लागत:** रू० 7,06,35,360.00 **(3) अग्रधन राशि :** रू० 14,12,700/– **(4) निविदा जमा करने की तिथि एवं समय : 18.11.2026** को **12.00** बजे तक निर्धारित है। **(5) उपरोक्त सभी निविदा की वेबसाइट, नोटिस बोर्ड और कार्यालय :** क्रिस वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** वरीय मंडल बिजली इंजीनियर/सा० का कार्यालय, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय भवन, पूर्व मध्य रेल, दानापुर।

नोट : (1) विवाद की स्थिति में अंग्रेजी नोटिस मान्य होगा। (2) यदि जरूरी हो तो शुद्धि–पत्र उपरोक्त वेबसाईट पर 15 दिन पहले तक अपलोड होगा।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/सा०)/दानापुर
पीआर/1203/डीएनआर/ईएलईसीटी/टी/26–27/44

मोदी के पिता के खिलाफ मलिकार्जुन खड़गे की विवादित टिप्पणी के विरोध में भाजपा ने फूंका पुतला

देवघर(आससे) । पटना में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के दिवंगत पिता के बारे में की गई टिप्पणी को लेकर भाजपा ने देवघर में विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके



पर भाजपा जिला महामंत्री अभयानंद झा ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की कार्यक्रम के दौरान खड़गे का पुतला भी जलाया गया।

इस मौके पर अभयानंद झा ने कहा कि प्रधानमंत्री और उनके दिवंगत पिता को लेकर की गई कथित अपमानजनक टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध स्वाभाविक है, लेकिन किसी के परिवार और दिवंगत पिता को निशाना बनाना भारतीय संस्कृति, सामाजिक मूल्यों और लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है। राजनीतिक दलों को विकास और जनकल्याण के मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए। लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा विचारों, नीतियों और जनसेवा के आधार पर होनी चाहिए। सरकार की नीतियों की तथ्यों और तर्कों के आधार पर आलोचना की जा सकती है, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणियों से राजनीतिक संवाद का स्तर प्रभावित होता है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से सार्वजनिक जीवन में मर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने की अपील की। प्रधानमंत्री का राजनीतिक विरोध करना विपक्ष का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उनके दिवंगत पिता को लेकर कथित अमर्यादित टिप्पणी करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद नीतियों और विचारधाराओं पर होने चाहिए, व्यक्तिगत और पारिवारिक टिप्पणियों पर नहीं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में शालीनता व परस्पर सम्मान बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को अपने बयानों की जिम्मेदारी लेते हुए संवाद की गरिमा बनाए रखनी चाहिए। झा ने और कहा कि लोकतंत्र में नीतियों की आलोचना करने का अधिकार सभी को है, लेकिन विरोध का भी एक स्तर और मर्यादा होती है। 22 राज्यों से सफाया होने के बाद कांग्रेस अपना मानसिक संतुलन खो चुकी है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या चाय बेचकर और मेहनत करके देश का प्रधानमंत्री बनना अपराध है। कांग्रेस का यह तंज देश के करोड़ों मेहनतकश श्रमजीवियों का अपमान है। प्रधानमंत्री की स्वर्गीय माता और पिता को राजनीति में घसीटने पर कड़ा ऐतराज जताते हुए झा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मातृ देवो भव: और पितृ देवो भव: की परंपरा है। उन्होंने चेतावनी दी कि चेंज द रेजीम के नाम पर देश में बांग्लादेश या नेपाल जैसी अराजकता फैलाने की कोशिशों को भारत की जनता कभी कामयाब नहीं होने देगी। दिल्ली में रैली पर उठाए सवाल जिला महामंत्री अभयानंद झा ने 1 नवंबर को दिल्ली में प्रस्तावित विपक्षी जुटान पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर का दिन देश के इतिहास में 1984 के सिख विरोधी दंगों के घावों से जुड़ा है। ऐसे में लाखों लोगों की भीड़ जुटाकर माहौल बिगाड़ने की साजिश की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता। झा ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस 1885 में अंग्रेजों द्वारा बनाई गई पार्टी है, जिसका नाम भी अंग्रेजी है। कांग्रेस नेता अपनी वाणी और सोच पर लगाम लगाएं, वरना देश की जनता इन्हें कभी माफ नहीं करेगी। मौके पर जिला उपाध्यक्ष अधीर चंद्र भैया, मुकेश पाठक, विजया सिंह पंकज सिंह भदोरिया पूर्व विधायक नारायण दास प्रमंडलीय प्रभारी तुफान महथा, जिला मंत्री विजया सिंह अलका सोनी सौरभ पाठक मनीष सिंह संजय गुप्ता चंदन साहा अमरजीत दूबे अमृत मिश्रा संध्या कुमारी आदि मौजूद थे।

भारत विकास परिषद की 'भारत को जानो' प्रश्नमंच प्रतियोगिता संपन्न

देवघर(आससे) । भारत विकास परिषद, देवघर शाखा के तत्वावधान में मंगलवार को झौंसागढ़ी स्थित संदीपनी पब्लिक स्कूल में शाखा स्तरीय 'भारत को जानो' प्रश्नमंच प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिका, प्रतिभागी विद्यार्थियों तथा अन्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत विकास परिषद के प्रेरणापुरुष स्वामी विवेकानंद एवं भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात प्रतियोगिता की औपचारिक शुरुआत हुई।

उल्लेखनीय है कि अक्टूबर माह में आयोजित लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर तीन विद्यालयों—रेड रोज स्कूल, डिवाइन पब्लिक स्कूल एवं संदीपनी पब्लिक स्कूल—ने प्रश्नमंच प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया था। मंगलवार को आयोजित प्रश्नमंच में तीनों विद्यालयों की दो-दो प्रतिभागियों वाली टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ज्ञान, तत्परता और



आत्मविश्वास से भरपूर इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के परिणाम में रेड रोज स्कूल की टीम ने प्रथम स्थान, संदीपनी पब्लिक स्कूल की टीम ने द्वितीय स्थान तथा डिवाइन पब्लिक स्कूल की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन के लिए उपस्थित सदस्यों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद, देवघर शाखा की अध्यक्ष कंचन मूर्ति शाह ने अपने संबोधन में कहा कि 'भारत को जानो' प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल सही उत्तर देना या जीत हासिल करना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के ज्ञान को समृद्ध करना, उनमें आत्मविश्वास विकसित करना तथा उन्हें जागरूक एवं संस्कारवान नागरिक बनाना भी है। उन्होंने आगे कहा कि उच्च प्राथमिक कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी के पास भारत को जानो पुस्तिका होनी चाहिए अगर वह इसका नियमित अध्ययन करते हैं तो भारत के हर क्षेत्र के बारे में उन्हें व्यापक जानकारी प्राप्त होगी जो आगे उनके भविष्य में सहायक होगी।

पूर्व प्रांतीय पदाधिकारी इंजीनियर प्रकाश चंद्र सिंह ने बच्चों को आगे प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अनेक जानकारियां दी तथा अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उनका उत्साहवर्धन किया पूर्व अध्यक्ष आलोक मल्लिक तथा सदस्य संतोष झा ने प्रतिभागी टीम के बीच प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान का पुरस्कार प्रदान किया। उपस्थित अन्य बच्चों ने तालिया की गड़गड़ाहट से तीनों टीमों का पुनः अभिनंदन किया।

'करवा चौथ, पति-पत्नी के प्रेम, विश्वास, समर्पण और अखंड सौभाग्य का व्रत'

देवघर(आससे) । करवा चौथ हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो पति-पत्नी के प्रेम, विश्वास, समर्पण और अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। माँके पर स्थानीय विवेकानंद शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव ने करवा चौथ के संदर्भ में कहा इस दिन विवाहित महिलाएँ अपने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और खुशहाल वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए व्रत रखती हैं। उत्तर भारत, विशेषकर उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और मध्य प्रदेश में इस पर्व को विशेष उत्साह के साथ मनाया जाता है। बदलते समय के साथ भारत के अन्य क्षेत्रों में भी करवा चौथ की लोकप्रियता बढ़ी है। वर्ष 2026 में करवा चौथ का व्रत गुरुवार, 29 अक्टूबर को रखा जाएगा। इस दिन कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि है। पंचांग के अनुसार, नई दिल्ली के लिए पूजा और व्रत के प्रमुख समय इस प्रकार हैं करवा चौथ की तिथि 29 अक्टूबर 2026, गुरुवार; चतुर्थी तिथि प्रारंभ 29 अक्टूबर, प्रातः लगभग 1:06 बजे। पूजा का शुभ मुहूर्त सायं 5:38 बजे से 6:56 बजे तक, व्रत का समय प्रातः सूर्योदय से चंद्रोदय तक। चंद्रोदय का अनुमानित समय रात्रि लगभग 8:17 बजे। ध्यान रहे कि ये समय मुख्यतः नई दिल्ली के पंचांग पर आधारित हैं। देवघर, कोलकाता, पटना तथा अन्य शहरों में चंद्रोदय और पूजा के समय में कुछ अंतर हो सकता है। इसलिए अपने स्थानीय पंचांग के अनुसार समय की पुष्टि करना उचित होगा। करवा चौथ का धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व- करवा चौथ का धार्मिक महत्व भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान गणेश और चंद्रदेव की पूजा से जुड़ा हुआ है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माता पार्वती ने कठोर तपस्या करके भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त किया था। इसलिए माता पार्वती को अखंड सौभाग्य और दांपत्य सुख की प्रतीक माना जाता है। करवा चौथ के दिन महिलाएँ माता पार्वती से अपने वैवाहिक जीवन में प्रेम, स्थिरता और सुख-शांति बनाए रखने की प्रार्थना करती हैं।

इस पर्व में 'करवा' अर्थात मिट्टी के छोटे पात्र का विशेष महत्व है। इसी पात्र में जल भरकर चंद्रदेव को अर्घ्य दिया जाता है। 'चौथ' का अर्थ चतुर्थी तिथि से है। इस प्रकार करवा चौथ का नाम इसके धार्मिक अनुष्ठानों और तिथि दोनों से संबंधित है। यह त्योहार केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय परिवार व्यवस्था, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को भी मजबूत करता है। महिलाएँ एकत्र होकर पूजा करती हैं, व्रत कथा सुनती हैं और एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देती हैं। करवा चौथ के दिन व्रत रखने वाली महिलाएँ प्रातःकाल सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करती हैं और परंपरानुसार सरगी ग्रहण करती हैं। सरगी में फल, मिठाई, सूखे मेवे तथा अन्य खाद्य पदार्थ शामिल किए जाते हैं। इसके बाद महिलाएँ अपने पति की लंबी आयु और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए व्रत का संकल्प लेती हैं। दिनभर व्रत रखने के बाद शाम को स्वच्छ वस्त्र धारण किए जाते हैं। महिलाएँ सोलह शृंगार करती हैं और पूजा की तैयारी करती हैं। पूजा स्थल पर भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान गणेश तथा करवा माता की पूजा की जाती है। करवा चौथ की व्रत कथा सुनी जाती है और परिवार की मंगलकामना की जाती है। रात्रि में चंद्रमा के दर्शन होने पर चंद्रदेव को जल



से अर्घ्य दिया जाता है। अनेक स्थानों पर महिलाएँ छलनी से पहले चंद्रमा और फिर अपने पति का चेहरा देखती हैं। इसके बाद पति के हाथों जल ग्रहण करके व्रत खोला जाता है। अलग-अलग क्षेत्रों में इन अनुष्ठानों की विधि में कुछ भिन्नताएँ हो सकती हैं। करवा चौथ की प्रचलित कथा करवा चौथ से जुड़ी वीरावती की कथा अत्यंत लोकप्रिय है। मान्यता के अनुसार, वीरावती ने अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखा था। भूख-प्यास से व्याकुल होने पर उनके भाइयों ने उन्हें भ्रमित करने के लिए कृत्रिम चंद्रमा दिखा दिया। वीरावती ने उसे वास्तविक चंद्रमा समझकर व्रत खोल लिया। इसके बाद उनके जीवन में विपत्ति आई। अंततः अपनी श्रद्धा, प्रार्थना और व्रत की पुनःपूर्ति के माध्यम से उन्होंने अपने पति के कल्याण की कामना की। यह कथा धैर्य, श्रद्धा और संकल्प के महत्व को दर्शाती है।

आधुनिक समाज में करवा चौथ का संदेश आज करवा चौथ का स्वरूप पहले की तुलना में अधिक व्यापक हो गया है। अनेक परिवारों में पति भी अपनी पत्नी के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त करते हैं। कुछ दंपती एक-दूसरे के साथ उपवास रखकर इस पर्व को परस्पर सहयोग और समानता का प्रतीक बनाते हैं। हालाँकि व्रत रखना व्यक्तिगत आस्था और इच्छा का विषय है। स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर कठोर निर्जला उपवास करने से पहले चिकित्सकीय सलाह लेना उचित है। वास्तव में करवा चौथ का मूल संदेश प्रेम, विश्वास, त्याग, समर्पण और पारिवारिक सद्भाव है। यह पर्व हमें सिखाता है कि वैवाहिक जीवन की वास्तविक सुंदरता केवल रस्मों में नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, समझदारी, सहयोग और जिम्मेदारी में निहित है। करवा चौथ 2026 के पावन अवसर पर सभी दंपतियों के जीवन में प्रेम, सुख, शांति, समृद्धि और मधुरता बनी रहे। यही इस पर्व की सच्ची भावना और मंगलकामना है।

शहर में ई-रिक्शा की एक निश्चित संख्या निर्धारित करने की जिला प्रशासन से मांग

देवघर(आससे) । संथाल परगना चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सदस्य अजय कुमार ने देवघर शहर में ई रिक्शा की बढ़ती संख्या को देखते हुए ई-रिक्शा की एक निश्चित संख्या निर्धारित करने की मांग जिला प्रशासन से की है। श्री कुमार ने कहा कि अगर ई रिक्शा की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिए एक योजना के जरिए कदम बढ़ाया जाता है तो इस कदम से सड़कों पर बढ़ते जाम, सड़क हादसों के खतरे और प्रदूषण जैसी परेशानियों को कम करने में मदद मिल सकती है।

आसनसोल मंडल में विकास संबंधी कार्य के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

परिशिष्ट

आसनसोल मंडल के खाना-आसनसोल खंड में अंडाल में फुट ओवर ब्रिज स्थापित करने के साथ-साथ दुर्गापुर में आर्च ब्रिज नंबर 396ए को हटाने के लिए, **दिनांक 23.12.2026 (बुधवार)** को मेगा ट्रैफिक और पावर ब्लॉक के कारण ट्रेनों के नियंत्रण के संबंध में पूर्व प्रकाशित ऊपर शीर्षक वाले विज्ञापन के संदर्भ में, यह सूचित किया जाता है कि उक्त ब्लॉक के कारण निम्नलिखित ट्रेनें भी निम्नानुसार नियंत्रित की जाएंगी:–

• **पुनर्निर्धारण:** 13037 **हावड़ा–देहरादून कुंभ एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 23.12.2026) 150 मिनट के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी।

• **मार्ग परिवर्तन:** 12260 **बीकानेर–सियालदह दुरंतो एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 22.12.2026) को पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.–गया–किऊल–भागलपुर–गुमानी–रामपुरहाट–सांइथिया–खाना होकर मार्ग परिवर्तित किया जाएगा।

• मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें और ट्रेन्स ऑन डिमांड (टीओडी), यदि देर से चल रही हैं, तो सुविधानुसार नियंत्रित की जा सकती हैं। असुविधा के लिए खेद है।

मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

चक्रवाती तूफान 'अर्नब' को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट, उपायुक्त ने अधिकारियों को दिया निर्देश

देवघर(आससे) । जिले 28 और 29 अक्टूबर को चक्रवाती तूफान अर्नब के संभावित प्रभाव को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री सौरभ कुमार भुवानिया ने जिला, प्रखंड, पंचायत और नगर निकायों (नगर निगम एवं नगर परिषद) के अधिकारियों को चक्रवात के दौरान आमजनों को होने वाली किसी भी असुविधा से बचाने के लिए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उपायुक्त ने सभी नगर निकायों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जलजमाव की आशंका वाले निचले इलाकों पर लगातार नजर बनाए रखें। इसके साथ ही आंधी-तूफान के दौरान पेड़ या बिजली के खंभे गिरने जैसी आपातकालीन घटनाओं से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन टीमों को आवश्यक उपकरणों के साथ पूरी तरह तैयार रहने को कहा गया है, ताकि सड़कों पर यातायात बाधित न हो। तूफान के कारण बिजली व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना को देखते हुए उपायुक्त ने विद्युत आपूर्ति विभाग के कार्यपालक अभियंता को विशेष रूप से निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि यदि आंधी-पानी के कारण बिजली आपूर्ति बाधित होती है, तो उसे न्यूनतम समय में जल्द से जल्द बहाल करने के लिए अतिरिक्त मैनपावर और तकनीकी टीमों को मुस्तैद रखा जाए। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, जिले में 28 और 29 अक्टूबर को आंशिक बारिश होने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए उपायुक्त श्री सौरभ कुमार भुवानिया ने एनडीआरएफ (NDRF) की टीम सहित सभी स्थानीय राहत एवं बचाव दलों को अलर्ट मोड (स्टैंडबाय) पर रहने का आदेश दिया है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति में तत्काल राहत कार्य शुरू किया जा सके। आगे उपायुक्त ने जिले के सभी नागरिकों से भी अपील की है कि वे तूफान के दौरान सतर्क रहें, अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें और प्रशासन द्वारा जारी किए जा रहे दिशा-निर्देशों का पालन करें।

पूर्व मध्य रेल

ई–खुली निविदा

खुली ई–निविदा सूचना संख्या– एल.–ओपेन – 26–27–19, दिनांक 23.10.2026

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/सामान्य)/सोनपुर वास्ते भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए 'खुली ई–निविदा' आमंत्रित करते हैं। खुली